विराट कोहली के फिटनेस का कायल हर कोई है, फिर चाहे वो पूर्व क्रिकेटर हों या फैंस। उन्होंने अपने करियर के 15 वर्षों में एक बेंचमार्क सेट किया।

-अजीत अगरकर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, विराट कोहली के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने आईपीएल में के साथ 13 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर एमआई फ्रेंचाइजी ने पर पोस्ट शेयर किया है। बता दें कि रोहित शर्मा ने साल 2011 में मुंबई इंडियंस के साथ आईपीएल में अपना डेब्यू किया था। रोहित तब से अबतक का अभिन्न अंग बन चुके हैं। मुंबई के साथ रोहित शर्मा साल 2011 में जुड़े थे। तब से वह फ्रेंचाइजी के लिए लगातार खेलते हुए आए हैं। मुंबई इंडियंस के लिए रोहित शर्मा ने 200 से ज्यादा आईपीएल मैचों में 5 हजार रन बनाए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... 8 दिसंबर 1981 को ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच निर्धारित मैच विद्युत कर्मचारियों की हड़ताल के कारण रद्द कर दिया गया था।

आखिरी बॉल पर चौका लगाकर राशिद खान ने गुजरात को विजयी बनाया

तेवतिया-राशिद ने आखिरी 2 ओवर में 35 रन बनाए, राजस्थान का विजयी रथ रोका

जयपुर, 10 अप्रेल। गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने मौजूदा सीजन के 24वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 3 विकेट से हराया। गुजरात ने दो मुकाबले हारने के बाद जीत हासिल की है।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में बुधवार को गुजरात ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। राजस्थान ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 196 रन बनाए। 197 रन का टारगेट गुजरात ने 20 ओवर में 7 विकेट पर हासिल कर लिया।

राहुल तेवतिया और राशिद खान की जोड़ी ने आखिरी दो ओवर में 35 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल ने 44 बॉल पर 72 रन बनाए। जबकि साई सुदर्शन ने 29 बॉल पर 35 रन का योगदान दिया। कुलदीप सेन ने 3 विकेट झटके, जबकि युजवेंद्र चहल को दो सफलतां मिलीं।

से रियान पराग ने 48 बॉल पर 76 रन बनाए, जबकि कप्तान संजू सैमसन 38 बॉल पर 68 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 78 बॉल पर 130 रन की शतकीय साझेदारी की। यशस्वी जायसवाल 24 रन बनाकर आउट हुए। उमेश यादव, राशिद खान और मोहित शर्मा को एक-एक विकेट मिला।

हॉकी टेस्ट सीरीज के तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया

पर्थ, 10 अप्रेल। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को हॉकी टेस्ट सीरीज के तीसरे मुकाबले में भी ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में 3-0 की बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलिया के पर्थ हॉकी स्टेडियम में बुधवार को खेले गए मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम को 2-1 से हराया। भारत के लिए जुगराज सिंह ने 41वें मिनट में एकमात्र गोल किया। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से जेरेमी हेवार्ड ने 44वें और 49वें मिनट में दो गोल दागे। खेल के शुरुआती 15 मिनट में ऑस्ट्रेलियाई टीम का दबदबा रहा। ऑस्ट्रेलिया ने खेल के तीसरे मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया लेकिन भारतीय गोलकीपर पीआर श्रीजेश के शानदार बचाव किया। पहले क्वार्टर के आखिर में ऑस्ट्रेलिया ने एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन वैंह भारतीय रक्षापंक्ति उसे भी नाकाम कर दिया।

गणानाशेखरन और मनिका मिश्रित युगल में करेंगे स्पर्धा

हाविरोव, 10 अप्रेल। भारत के साथियान गणानाशेखरन और मनिका बत्रा 11 और 12 अप्रैल को वर्ल्ड मिश्रित युगल टेबल टेनिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में पेरिस 2024 कोटा हासिल करने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। चेक गणराज्य के हाविरोव में होने वाले मुकाबले में 26 टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। वर्तमान में आईटीटीएफ मिश्रित युगल विश्व टेबल टेनिस रैंकिंग में जी साथियान और मनिका बत्रा 18वें स्थान पर हैं। आपको बता दें कि पेरिस ओलंपिक में मिश्रित युगल वर्ग में कुल 16 टीमें भाग लेंगी। क्वालीफायर मुकाबले दो चरणों में आयोजित किये जायेंगे।

धोनी की जगह कोई नहीं ले सकता : अगरकर

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। महेंद्र सिंह धोनी ने अपनी कप्तानी में भारत को दो-दो वर्ल्ड कप जिताए हैं। एक बार चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब भी दिलाया है। टेस्ट रैंकिंग में भी टीम इंडिया को नंबर-1 बनाया है और चेन्नई सुपर किंग्स भी उनकी अगुवाई में 5 बार खिताब जीत चुकी है। यही कारण है कि धोनी को बेहतरीन कप्तानों में से एक माना जाता है। वहीं चीफ सेलेक्टर और पूर्व भारतीय खिलाड़ी अजीत अगरकर ने धोनी की तारीफ की है। साथ ही कहा कि सॉफ्टवेयर और डेटा के युग में भी धोनी की निर्णय क्षमता गजब की है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी चीजें कितनी भी आगे बढ़ जाएं धोनी का मुकाबला नहीं कर सकती। दरअसल, अजीत अगरकर ने कहा कि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कभी भी धोनी जैसे किसी व्यक्ति की जगह नहीं ले सकती। धोनी की कप्तानी की समझ सबसे अलग है और उनके निर्णय बहुत सटीक रहते हैं।

एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में 30 युवा भारतीय पहलवान करेंगे स्पर्धा

बिश्केक, 10 अप्रेल। किर्गिस्तान में गुरुवार से शुरु हो रही एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 10 महिला, 10 पुरुष फ्रीस्टाइल और 10 ग्रीको-रोमन समेत कुल 30 युवा भारतीय पहलवान प्रतिस्पर्धा करेंगे। 11 से 16 अप्रैल तक चलने वाली इस चैंपियनशिप में विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता सरिता मोर, पिछले साल अम्मान में अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले अंतिम कुंडू और अंडर 23 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अभिमन्यू, बिश्केक में एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2024 में भारतीय कुश्ती टीम की अगुवाई करेंगे।

19 अप्रैल से होने वाले एशियाई ओलंपिक कुश्ती क्वालीफायर के कारण अधिकांश शीर्ष भारतीय पहलवान इस साल की एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भाग नहीं ले रहे हैं। जिसके कारण इस चैंपियनशिप में एक युवा भारतीय कुश्ती टीम दिखेगी।

भारत ने अब तक कुश्ती में केवल एक पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल किया है। अंतिम पंघाल ने 2023 विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 53 किग्रा में कांस्य पदक जीतने के बाद कोटा हासिल किया था।

2021 अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली 25 वर्षीय अंजू ने भारतीय टीम में अंतिम पंघाल की जगह ली है। अंजू ने पिछले महीने 53 किग्रा चयन ट्रायल अपने नाम किया था और सेमीफाइनल में दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट को हराया था।

अम्मान में आयोजित महाद्वीपीय चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में, भारतीय पहलवानों ने एक स्वर्ण, तीन रजत और 10 कांस्य समेत 14 पदक जीते थे। पुरुषों के 57 किग्रा में अमन सेहरावत ने शीर्ष स्थान हासिल किया था।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष विश्व चैंपियनशिप के बाद से वर्ल्ड रेसिंग गवर्निंग बॉडी ने भारतीय रेसलिंग फेडरेशन (डब्ल्यूएफआई) को निलंबित करने के बाद भारतीय पहलवान यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ध्वज के तहत प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। पिछले महीने इस प्रतिबंध को हटा दिया गया है।

8 खिलाड़ी रिटेन करना चाहती हैं टीमें

मेगा ऑक्शन इस साल के अंत में, पर्स की रकम बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग टीमों के मालिकों की एक बैठक बुलाई है, जो 16 अप्रैल को अहमदाबाद में होगी। मीटिंग में इस साल होने वाले मेगा ऑक्शन और प्लेयर रिटेंशन नंबर पर चर्चा होगी।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल होने वाले मेगा ऑक्शन में रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इस पर टीम मालिकों के अलग-अलग विचार हैं। नंबर पर कोई स्पष्ट सहमति नहीं है और माना जा रहा है कि इस पर बातचीत करना चाहता है। एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, चीजें अभी शुरुआती स्टेज पर हैं।

लीग को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है। इसमें प्लेयर रिटेंशन अहम है। ज्यादातर टीम मालिक इस फैसले के समर्थन में हैं कि वह मेगा ऑक्शन से पहले 8 प्लेयर्स को रिटेन कर पाएं।

कमिंस ने नितिश कुमार के प्रदर्शन की सराहना की

मुल्लांपुर, 10 अप्रेल। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने नितिश कुमार रेड्डी के हरफनमौला प्रदर्शन की सराहना की है। मैच के बाद कमिंस ने कहा कि रेड्डी ने बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन किया। शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी, अच्छे क्षेत्ररक्षण और तीन ओवर गेंदबाजी कारण ही हम 180 के स्कोर के ऊपर पहुंचने में सफल रहें। नीतिश ने कहा, मेरा प्रदर्शन टीम में योगदान के लिए था। मैं लगातार स्वयं से बात किए जा रहा था कि मुझे खुद पर भरोसा रखना है और टीम के लिए पिच पर खड़ा रहना है। उनके तेज गेंदबाज अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे। मैं उन्हें कोई मौका नहीं देना चाह रहा था। लेकिन जब उनके स्पिनर्स आएं तो मैंने उन पर आक्रमण खेल दिखाया।

डी गुकेश ने नेपोम्नियाश्चि के साथ हासिल की संयुक्त बढ़त, अजरबैजान के निजात को दी मात

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने अजरबैजान के निजात अबासोव को एक कड़े मुकाबले में हराकर रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि के साथ संयुक्त बढत हासिल कर ली है और फिडे शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर में जीत दर्ज करने वाले वह इकलौते भारतीय बने। डबल राउंड रॉबिन टूर्नामेंट के नौ दौर अभी बाकी है।

17 साल के गुकेश और नेपोम्नियाश्चि 3 .5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं जबकि अमेरिका के शीर्ष वरीयता प्राप्त फेबियानो कारूआना उनसे आधा अंक पीछे हैं। अमेरिका के हिकारू नकामूरा ने फ्रांस के फिरोजा अलीरजा को हराया जबकि भारत के आर प्रज्ञानानंदा ने नेपोम्नियाश्चि के साथ ड्रॉ खेला। विदित गुजराती ने कारूआना के साथ ड्रॉ खेला। प्रज्ञानानंदा और नकामूरा 2.5 अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं जबकि गुजराती के दो अंक हैं। अलीरजा और अबासोव 1.5 अंक लेकर आखिरी स्थान पर हैं। महिला वर्ग में चारों मुकाबले ड्रॉ पर छूटे। प्रज्ञानानंदा की बहन आर वैशाली ने अन्ना मुजिचुक से और कोनेरू हम्पी ने रूस की अलेक्जेंद्रा गोरियाश्किना से ड्रॉ खेला। शीर्ष पर काबिज चीन की झोंग्यी तान को बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा ने और रूस की कैटरीना लागनो को चीन की टी लेइ ने ड्रॉ पर रोका। तान 3.5 अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि गोरियाश्किना के तीन अंक हैं।

अमेरिका ने कनाडा को टी-20 मुकाबले में 31 रन से हराया

ह्यूस्टन, 10 अप्रेल। कप्तान मयंक पटेल 68 रन, एंड्रीज गूस 57 रन और स्टीवन टेलर की 54 रनों की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत अमेरिका ने कनाडा को दूसरे टी-20 मुकाबले में 31 से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही अमेरिका ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है।

231 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कनाडा की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में श्रीमंथा विजयरत्ने शून्य का विकेट गवां दिया। सलामी बल्लेबाज एरोन जॉनसन ने 40 गेंदों में छह चौके और छह छक्के लगाते हुए सर्वाधिक 74 रनों की पारी खेली। परगट सिंह 27 रन, निकोलस किर्टन 21 रन, और डिलन हेइलिगर 11 रन बनाकर आउट हुये। हर्ष ठाकेर 17 गेंदों में 34 रन बनाकर नाबाद रहे। छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। अमेरिकी गेंदबाजों ने कनाडा की टीम को 19.4 ओवर में 199 रन पर समेटते हुए मुकाबला 31 रनों से जीत लिया। सौरभ नेत्रवलकर, शैडली वैन शल्कविक और हरमीत सिंह ने दो-दो विकेट लिये। नोस्टुश केन्जिगे, जेस्सी सिंह, निसर्ग पटेल और स्टीवन टेलर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले कनाडा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अमेरिका की एंड्रीज गूस और मयंक पटेल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 104 रनों की शतकीय साझेदारी कर टीम को एक मजबूत शुरुआत दी। नौवें ओवर में प्रवीण कुमार ने स्टीवन टेलर को आउट कर अमेरिका को पहला झटका दिया।

टेलर ने 25 गेंदों में सात चौके और तीन छक्कों की मदद से 54 रन बनाये। उसके बाद कप्तान मयंक पटेल 68 रन को जफर ने आउटकर पवेलियन भेज दिया। मयंक ने 35 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाये। एंड्रीज गूस ने 35 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए 57 रन की पारी खेली। एरोन जोन्स 34 रन और शैडली वैन शल्कविक 13 रन बनाकर नाबाद रहे। जोंस ने 34 रन की पारी में चार छक्के भी लगाये। अमेरिका ने निर्धारित 20 ओवर में तीन विकेट पर 230 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ऋषिव जोशी, परवीन कुमार और साद बिन जफर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

न्यूज़ीलैंड के पूर्व लेगस्पिनर अलबास्टर का निधन

क्रॉमवेल, 10 अप्रेल। न्यूजीलैंड के पूर्व लेगस्पिनर जैक अलबास्टर का निधन हो गया है। वह 93 वर्ष थे। न्यूजीलैंड के सर्वश्रेष्ठ लेगस्पिनरों में से एक जैक अलबास्टर का मंगलवार रात क्रॉमवेल में निधन हो गया है। उन्होंने 1955 और 1972 के बीच 21 टेस्ट खेले और 49 विकेट लिए। वह न्यूजीलैंड के पहले चार टेस्ट जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। पूर्व लेगस्पिनर जैक ने 1955-56 में भारत और पाकिस्तान, 1958 में इंग्लैंड, 1961-62 में दक्षिण अफ्रीका और 1971-72 में वेस्ट इंडीज का दौरा भी किया था। इस दौरान उन्होंने पहले दो टेस्ट खेले थे और गैरी सोबर्स को बोल्ड करके सीरीज में अपना एकमात्र विकेट लिया था। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 22 विकेट लिए। उन्होंने 180 रन देकर आठ विकेट लेकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड ने जैक अलबास्टर के टीम का हिस्सा बनने के साथ विदेश में पहला टेस्ट जीता और तीसरे टेस्ट श्रृंखला में 1-1 से बराबरी करी। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में ओटागो का प्रतिनिधित्व करते हुए 143 प्रथम श्रेणी मैच खेले और 500 विकेट लिए।

तीन अलग चोट के कारण खेल से दूर था, खुद को बेहतर बनाने के लिए करनी पड़ी कड़ी मेहनत : सूर्यकुमार यादव

मुंबई, 10 अप्रेल। भारत और मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने बुधवार को बताया कि वह पिछले तीन महीनों में तीन अलग-अलग चोट से जूझ रहे हैं लेकिन 'उबाऊ' रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरने के बाद उन्होंने खुद को 'बेहतर' बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज ने पिछले सप्ताह चोट से उबर कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वापसी की थी। उन्होंने बताया कि वह 'स्पोर्ट्स हर्निया' के अलावा टखने और दाहिने घुटने में चोट की समस्या का भी सामना कर रहे थे। 'स्पोर्ट्स हार्निया' से उबरने के लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी।

यादव ने आईपीएल की ओर से जारी एक वीडियो साक्षात्कार में कहा, "मुझे एक साथ दो-तीन अलग-अलग चोट का सामना करना पड़ा। स्पोर्ट्स हर्निया, टखना और फिर दायां घुटना। मुझे एक समय में एक कदम उठाना था, छोटी-छोटी चीजों का पालन करना था और आज मैं मैदान पर आकर वास्तव में खुश हूं।" इस 33 साल के बल्लेबाज ने कहा कि उनके लिए चोट से उबरने की प्रक्रिया काफी उबाऊ थी लेकिन उन्होंने इस समय का पूरा फायदा उठाने की सोची। उन्होंने कहा, " मेरे लिए पिछले तीन या साढ़े तीन महीने के बारे में बात करना काफी मुश्किल है।

शुरुआती दो तीन सप्ताह में यह परेशान करने वाला था क्योंकि मुझे लगता था कि रिहैबिलिटेशन में एक ही चीज बार-बार कर रहा हूं।" सूर्यकुमार यादव ने कहा, " चौथे-पांचवें सप्ताह से मुझे लगा कि भविष्य के लिए यह जरूरी है।" उन्होंने कहा कि इस दौरान पत्नी के साथ बातचीत ने उनका नजरिया बदला।

इस आक्रामक बल्लेबाज ने कहा, "जब मैंने पत्नी और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के लोगों से बात की, तो उन्होंने कहा कि आपको खुद में बदलाव लाना होगा, जब आप मैदान पर वापस आएंगे तो आपको थोड़ा अलग होना होगा। मैंने समय पर सोने, बेहतर आहार लेने जैसी सभी छोटी चीजें करना शुरू कर दिया। यह सबसे महत्वपूर्ण था।" सूर्यकुमार ने कहा कि खेल से दूर रहने से उन्हें उन पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिली जिन्हें उन्होंने नजरअंदाज कर दिया था और इससे उन्हें तेजी से ठीक होने में मदद मिली। उन्होंने कहा, " मैंने अपनी जिंदगी में कभी किताब नहीं पढ़ी थी और अब मैंने पढ़ना शुरू कर दिया है। मैंने सुबह जल्दी उठने और फिर रिहैबिलिटेशन केंद्र में समय देने के साथ अपनी नियंत्रण वाले चीजों पर ध्यान देना शुरू कर दिया।"

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व अध्यक्ष जैक क्लार्क का निधन

एडिलेड, 10 अप्रेल। पूर्व क्रिकेटर एवं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के पूर्व अध्यक्ष जैक क्लार्क का निधन हो गया है। वह 70 वर्ष के थे। क्लार्क के परिवार में पत्नी और दो बेटियां है। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड के अनुसार क्लार्क का एडिलेड में निधन हुआ था। उन्होंने बताया कि क्लार्क ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड में 1999 से 2011 तक सेवा दी था और वह अपने कार्यकाल के अंतिम तीन वर्षों तक सीए के अध्यक्ष रहे थे।

उनके अध्यक्ष कार्यकाल 2008 से 2011 के दौरान बिग बैश लीग की शुरुआत की हुई थी और उन्होंने 2010-11 की घरेलू एशेज श्रृंखला में हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम की समीक्षा करते हुए सीए की उच्च प्रदर्शन शाखा को नया आकार दिया गया था। वर्तमान सीए अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने क्लार्क के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, जैक क्लार्क ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और एसएसीए के साथ अपनी प्रमुख भूमिकाओं में ऑस्ट्रेलियाई, दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उत्कृष्ट योगदान दिया था और पूरे खेल जगत में सभी लोग उन्हें बहुत पसंद करते थे।

नीरज चोपड़ा फिनलैंड में पावो नूरमी गेम्स 2024 में लेंगे हिस्सा

मैक्स हेह्रिंग से मिल सकती है कड़ी चुनौती

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 18 जन को फिनलैंड के तुर्कू में आयोजित होने वाले पावो नूरमी गेम्स 2024 में हिस्सा लेंगे। हर साल गर्मियों में आयोजित किए जाने वाले पावो नूरमी गेम्स फिनलैंड की टॉप ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिता है। इस प्रतियोगिता को पहली बार 1957 में आयोजित किया गया था। कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड नाम की एक प्रतियोगिता एक टॉप स्तरीय वर्ल्ड एथलेटिक्स प्रतियोगिता है।

वहीं इन खेलों में नीरज को जर्मनी के 19 वर्षीय मैक्स डेह्रिंग से कड़ी चुनौती मिल सकती है। यह जानकारी पावो नूरमी खेलों के आयोजकों ने दी। दरअसल, डेह्रिंगहाल ही में 90 मीटर की बाधा पार करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने हैं। छब्बीस साल के चोपड़ा 10 मई को दोहा डायमंड लीग मीट से अपने सत्र की शुरुआत करेंगे। उन्होंने पावो नूरमी खेलों के 2022 सत्र में 89.30 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। यह उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो है। उन्होंने 2023 में चोटिल होने के कारण इस स्पर्धा से अपना नाम वापस ले लिया था।

नीरज चोपड़ा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर है। पावो नूरमी खेलों का नाम फिनलैंड के मध्य और लंबी दूरी के धावक के नाम पर रखा गया है। यह विश्व एथलेटिक्स की 'कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड सीरीज' स्तर की प्रतियोगिता है। यह डायमंड

लीग मीट सीरीज के बाहर सबसे प्रतिष्ठित एक दिवसीय प्रतियोगिताओं में से एक है। टूर्नामेंट के आधिकारिक वेबसाइट पर खिलाड़ियों से करार के लिए जिम्मेदार आर्टटू सलोनेन ने कहा, "भाला फेंक ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा जून में तुर्कू लौटेंगे।

वहीं नीरज एक साल के ब्रेक के बाद पावो नूरमी खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे जहां उनका सामना बेहतरीन प्रतियोगियों के समूह से होगा। प्रतियोगिता 18 जून को तुर्कू में होगी।" उन्होंने बताया कि चोपड़ा के अलावा, हमारा पहले से ही जर्मनी के दिग्गज जूलियन वेबर और मैक्स डेह्रिंग के साथ अनुबंध है।

उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य पेरिस ओलंपिक से पहले तुर्कू में गर्मियों की सबसे कठिन भाला फेंक प्रतियोगिता को आयोजित करना है। इसके लिए दूसरे खिलाड़ियों के साथ बातचीत जारी है। हम चाहते हैं कि शीर्ष घरेलू नाम तुर्कू में प्रतिस्पर्धा करें जिसका नेतृत्व ओलिवर हेलैंडर (जिन्होंने 2022 सत्र में 89.83 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक जीता था) करेंगे।" इस साल फरवरी में डेह्रिंग 90.20 मीटर (अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ 79.13 से 11.07 मीटर से अधिक) की दूरी के साथ 'जर्मन विंटर थ्रोइंग चैंपियनशिप' में प्रतिष्ठित 90 मीटर की बाधा को पार करने वाले सबसे कम उम्र खिलाड़ी बने हैं। वह हालांकि 10 मार्च को पुर्तगाल के लीरिया में यूरोपियन थ्रोइंग कप में 80.30 मीटर का थ्रो कर सके।

पावो नूरमी खेलों की वेबसाइट ने चोपड़ा के कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज के हवाले से कहा कि भारतीय खिलाड़ी ने 'एक साल पहले तुर्कू में बेलेक शिविर में प्रशिक्षण में 90.40 दूर भाला फेंका था'। उन्होंने कहा, "स्टॉकहोम में रिकॉर्ड थ्रो (89.94 मीटर, चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन) में 90 मीटर की दूरी की बाधा को पार किया जा सकता था। तब चोपड़ा ने लाइन के 20-30 सेंटीमीटर पीछे से भाला फेंका था।

भारतीय रग्बी फुटबॉल यूनियन के अध्यक्ष अभिनेता राहुल बॉस जयपुर में

जयपुर, 10 अप्रेल। भारतीय रग्बी फुटबॉल यूनियन के अध्यक्ष अभिनेता राहुल बॉस के बुधवार को जयपुर आने पर उनका स्वागत किया गया। इस मौके राजस्थान रग्बी फुटबॉल संघ जयपुर के पदाधिकारियों ने बॉस का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। उनके साथ में संघ उपाध्यक्ष शनाया, जनरल मैनेजर संदीप मोसंकर भी जयपुर आए है। रग्बी खेल को प्रोत्साहन के उद्देश्य से ये लोग जयपुर आये है।

राजस्थान रग्बी संघ अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने बताया कि रग्बी खेल विश्व प्रसिद्ध खेल होने के बाद भी इसे राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद से मान्यता प्राप्त नहीं हुई। मिश्रा ने बताया की रग्बी खेल के मान्यता के लिए 2017 में फाइल राज्य क्रीड़ा परिषद में लगाई थी परंतु कांठोस सरकार ने पांच साल में भी इस खेल को मान्यता प्रदान नहीं की। अब उम्मीद है मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एव राजस्थान खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह से इस खेल को मान्यता मिलेगी।

राजस्थान रग्बी फुटबॉल संघ के कोषाध्यक्ष जितेश कुमार ने बताया जिस संघ के अध्यक्ष राहुल बॉस जैसा व्यक्ति हो जो अपना सब कुछ रग्बी खेल के लिए समर्पित कर दे, ऐसे खेल संघ के साथ जुड़ने में खुद को गौरवान्वित महसूस होता है। राजस्थान संयुक्त सचिव रविन्द्र सिंह राजावत ने बताया की जब से श्री राहुल बॉस ने रग्बी का कमान अपने हाथों में लिया है राजस्थान में ही नहीं बल्कि पूरे भारत में रग्बी खेल के खिलाड़ियों को सम्मान मिलने लगा है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान के खिलाड़ी प्रशिक्षण के लिए जाते है तो 50 हजार से एक लाख रुपए तक की राशि खिलाड़ियों को मेहनत के रूप में दी जाती है।